Class : 9th

Subject : हिंदी

Chapter : 17

Chapter Name : बच्चे काम पर जा रहे हैं।

Q1 कविता की पहली दो पंक्तियों को पड़ने तथा विचार करने से आपके मन मस्तिष्क में जो चित्र उभरता है? उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।

Answer. कविता की पहली दो पंक्तियां पढ़ने तथा विचार करने के उपरांत हमारे मन तथा मस्तिष्क में काम पर जाते बच्चों के प्रति करुणा तथा दुख का भाव उठता है। शरद ऋतु की सर्दी तथा कोहरे में बच्चों को अपने घरों में होना चाहिए। जो उम्र बच्चों की खेलने तथा पढ़ने की होती है उस उम्र में बच्चों को काम पर जाना है। यह दृश्य बहुत ही दुखद है। यह दृश्य भारत की बिगड़ती हुई व्यवस्था की ओर संकेत देता है।

Page : 139 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह ना लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए कि काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे कभी की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए।

Answer. कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह ना लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए क्योंकि विवरण का अर्थ है बात को सामान्य मानकर उसकी जानकारी भर देना अर्थात उसकी व्याख्या करना। विवरण के साथ लेखक का कोई भावनात्मक लगाव नहीं होता है और ना ही विवरण में कोई गहरी चिंता दर्शाई जाती है। परंतु जब वही बात प्रश्न के रूप में लिखी जाती है तब उसमें गहन चिंतन की प्रस्तुति होती है। जब उसी बात को प्रश्न के रूप में लिखा जाता है तब उसमें जिज्ञासा तथा तड़प भी है समस्या के साथ गहरा जुड़ाव भी प्रकट होता है। अत: लेखक का मानना है कि बाल मजदूरी की समस्या के साथ समाज का गहरा सरोकार होना चाहिए था उसे प्रश्न के रूप में उठाना उचित होगा।

Page : 139 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं?

Answer. समाज के बड़े भाग में आज भी गरीबी उपस्थित है। यह गरीबी समाज में एक अभिशाप की तरह छाई हुई है। गरीब परिवार के सारे सदस्यों को काम पर जाना पड़ता है। अतः परिवार के छोटे-छोटे बच्चों के कंधों पर परिवार की परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां आ जाते हैं। घर संभालने के चलते बच्चों को काम करने पर विवश होना पड़ता है जिसके कारण उनको ना ही शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिलता

है और ना ही मनोरंजन का। उनके माता-पिता के पास अपने बच्चों को सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों की व्यवस्था कराने की क्षमता नहीं होती है अतः उन्हें ना चाहते हुए भी सुविधा तथा मनोरंजन के साधनों से वंचित रहना पड़ता है।

Page : 139 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 दिन प्रतिदिन के जीवन में हर कोई बच्चों को काम पर जाते देख रहा/रही है फिर भी किसी को कुछ अटपटा नहीं लगता इस उदासीनता के क्या कारण हो सकते हैं?

Answer. दिन प्रतिदिन के जीवन में हर कोई बच्चों को काम पर जाते देख रहा/ रही है फिर भी किसी को कुछ अटपटा नहीं लगता इस उदासीनता का एक कारण यह हो सकता है कि लोग बाल मजदूरी को लेकर जागरूक नहीं है। अधिकतर लोग यही सोचते हैं कि बाल मजदूरों को सुख सुविधा दिलाना सरकार का कर्तव्य है जिसके कारण वह उनकी स्थिति पर ध्यान नहीं देते। ज्यादा से ज्यादा लोग आते जाते उन बच्चों को देखकर उनके भाग्य को दोष देते हैं। इस उदासीनता का एक कारण व्यवस्था भी है। लोग सोचते हैं कि वह देश में कोई परिवर्तन नहीं ला सकते और इसी सोच के चलते धीरे-धीरे वह उदासीन हो जाते हैं और समाज के प्रति अपने कर्तव्य को भूल जाते हैं।

Page : 139 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 आपने अपने शहर में बच्चों को कब कब और कहां कहां काम करते हुए देखा है?

Answer. मैंने अपने शहर में बच्चों को ढाबे पर, होटलों पर, बसों में, कचरा उठाते, सब्जियों तथा किराने की दुकान पर, समृद्ध वर्ग के घरों तथा कार्यालयों में काम करते हुए देखा है।

Page : 139 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 बच्चों का काम पर जाना धरती के लिए एक बड़ा हादसे के समान क्यों है?

Answer. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के सम्मान इसलिए है क्योंकि बच्चों को उनके बाल्यकाल में सुख सुविधाएं मिलनी चाहिए। उनको खेलने कूदने तथा पढ़ने लिखने के अवसर मिलने चाहिए। उनको वह अवसर मिलने चाहिए जिनसे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। कोमल हाथ और नाज़ुक मन वाले बच्चों को पढ़ने और लिखने की उम्र में काम पर जाना पड़ रहा है। जिस उम्र में उनका मानसिक और चहुमुखी विकास होना चाहिए उस उम्र में वह काम कर रहे हैं जिससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास रुक जाता है। बच्चों के विकास के लिए समाज को कड़े कदम उठाने चाहिए।

उन्हें खेलने कूदने मनोरंजन और पढ़ाई-लिखाई का अवसर मिलने चाहिए। जो बच्चे काम पर जाते हैं वे अपनी मजबूरियों तथा अपने परिवार की आर्थिक परिस्थितियों के कारण काम करने पर विवश हो जाते हैं। उनका जीवन अन्याय से भरा होता है। जो बच्चे अपने बाल्यकाल में मजदूरी करने पर विवश हो जाते हैं वह जीवनभर गरीब मजदूर बन कर रह जाते हैं। अतः उनका बचपन में काम करना एक भयानक हादसा है।

edugross.com

Page : 139 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 काम पर जाते किसी बच्चे के स्थान पर अपने आप को रख कर देखिए आपको जो महसूस होता है उसे लिखिए|

Answer. छात्र स्वयं करें।

Page : 139 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q8 आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए उन्हें क्या करने के मौके मिलने चाहिए|

Answer. मेरे विचार से बच्चों को काम पर इसलिए नहीं भेजना चाहिए क्योंकि इससे उनका विकास रुक जाता है। उनके नाजुक मन, कोमल हाथ और शरीर पर बुरा असर पड़ता है। बच्चों के चहुंमुखी विकास के लिए उनको खेलने कूदने की उम्र में काम नहीं करने देना चाहिए। उनकी शिक्षा-दीक्षा और खेलकूद खाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए और यह सरकार और समाज का फर्ज भी है। बच्चों को पारिवारिक आर्थिक परेशानियों की वजह से बाल मजदूरी करनी पड़ती है जिससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास रुक जाता है। हमें और समाज को चाहिए कि उनकी विकास के लिए उचित कदम उठाएं।

Page : 139 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q1 किसी कामकाजी बच्चे से संवाद की जरूर पता लगाइए कि-

(क) वह अपने काम करने की बात को किस भाव से लेता/ लेती है?

(ख) जब वे अपनी उम्र के बच्चों को खेलने /पढ़ने जाते देखता/ देखती है तो कैसा महसूस करता /करती है?

Answer. छात्र किसी कामकाजी बच्चे से संवाद स्वयं करें।

Page : 139 , Block Name : पाठेतर सक्रियता

Q2 'वर्तमान युग में सभी बच्चों के लिए खेलकूद और शिक्षा के समान अवसर प्राप्त है'-इस विषय पर वाद-विवाद आयोजित कीजिए।

उत्तर- छात्र अध्यापक की मदद से प्रतियोगिता का आयोजन करे।

Q3 'बाल श्रम की रोकथाम' पर नाटक तैयार कर उसकी प्रस्तुति कीजिए।

Answer. छात्र स्वयं करें।

edugross.com

Page : 139 , Block Name : पाठेतर सक्रियता

Q4 चंद्रकांत देवताले की कविता 'थोड़े से बच्चे और बाकी बच्चे' (लकड़बग्घा हंस रहा है) पढ़िए। उस कविता के भाव तथा प्रस्तुत कविता के भाव में क्या साम्यहै?

Answer. छात्र स्वयं करें।

Page : 139 , Block Name : पाठेतर सक्रियता

edugross.com